म्हारा बाबा शीश का दानी | by Nisha Dwivedi

मिश्री चढ़ाऊँ पान चढ़ाऊँ लगाऊं भोग मैं छप्पन थारे
ज्योत जलाऊं इत्र चढ़ाऊँ, करूँ श्रृंगार मैं न्यारे न्यारे
आओ बाबा मन्ने दिखाओ मुखडो थारो जी
मेटो मेटो आज तो बाबा दुखडो म्हारो भी

म्हारा बाबा शीश का दानी जी
सब भक्तां री सुनली देखो म्हारी कानि भी
म्हारी कानि भी सांवरा, म्हारा कानि भी
म्हारी कानि भी सांवरा, म्हारा कानि भी
म्हारा बाबा शीश का दानी.....

थारे दर की सांवरा जी घणी अनोखी बात
हारा हुआ प्रेमी को बाबा बेगो पकड़ ले हाथ
बात ना थां से कोई छानी जी
सब भक्तां री सुनली देखो म्हारी कानि भी
म्हारा बाबा शीश का दानी.....

खाटू माहि सेठ सांवरो लीले ऊपर साजे
ई सारा संसार में बाबा को डंका बाजे
सारी दुनिया थारी दीवानी जी
सब भक्तां री सुनली देखो म्हारी कानि भी
म्हारा बाबा शीश का दानी.....

अविनाश थारा भजन बणावे निशा थाने सुणावे
सगला प्रेमी हर ग्यारस रींगस से निशान चढ़ावे
याही मन में मैं भी ठानी जी
सब भक्तां री सुनली देखो म्हारी कानि भी
म्हारा बाबा शीश का दानी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%b6-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-nisha-dwivedi/